1. विश्व स्वास्थ्य दिवस

- प्रत्येक वर्ष के 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1948 में प्रथम स्वास्थ्य सभा में इसकी स्थापना से और 1950 में प्रभावी होने के बाद से, इस उत्सव का उद्देश्य विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए प्राथमिकता के क्षेत्र को उजागर करने के लिए एक विशिष्ट स्वास्थ्य विषय के बारे में जागरूकता पैदा करना है।
- स्वास्थ्य केवल शारीरिक भलाई के बारे में नहीं है, बल्कि मानसिक और सामाजिक पहलुओं के बारे में भी है। एक व्यक्ति को स्वस्थ कहा जाता है यदि वह तीनों के पास है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, स्वास्थ्य मानव सुख और कल्याण के लिए केंद्रीय है। यह आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है, क्योंकि स्वस्थ आबादी लंबे समय तक जीवित रहती है और अधिक उत्पादक होती है।
- दुनिया भर में लाखों लोग कई भयानक बीमारियों के शिकार हैं। इसलिए, हर साल दुनिया भर में लोगों के समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य दिवस 2021: थीम
- प्रत्येक वर्ष, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) एक विषय का चयन करता है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के एक विशेष प्राथमिकता वाले क्षेत्र को उजागर करता है। इस वर्ष के वैश्विक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस का विषय एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण है।
- अभियान डब्ल्यूएचओ के संवैधानिक सिद्धांत पर प्रकाश डालता है कि "स्वास्थ्य के उच्चतम प्राप्य मानक का आनंद हर इंसान के मौलिक अधिकारों में से एक है, जो जाति, धर्म, राजनीतिक विश्वास, आर्थिक या सामाजिक स्थिति के भेद के बिना है!

2. महावीर मंदिर का 'नैवेद्यम' गुणवत्ता में खरा, मिला एफएसएसएआइ सर्टिफिकेट

- पटना के महावीर मंदिर के प्रसाद 'नैवेद्यम' को केंद्र सरकार के एफएसएसएआइ (भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) की ओर से भोग का सर्टिफिकेट मंगलवार को मंदिर परिसर में प्रदान किया गया। सर्टिफिकेट पाने वाला उत्तर भारत का पहला और देश का नौवां मंदिर है।
- महावीर मंदिर के 'नैवेद्यम' प्रसाद को विशिष्ट गुणवत्ता, स्वाद, शुद्धता, स्वच्छता आदि के मानकों पर खरा उतरने के बाद प्रमाणपत्र मिला है।
- 22 अक्टूबर 1992 से महावीर मंदिर में नैवेद्यम प्रसाद की शुरुआत की गई। तिरुपति के विशिष्ट कारीगर गाय के घी में चना दाल, काजू, किशमिश, इलायची आदि सामग्री का प्रयोग कर 'नैवेद्यम' तैयार करते हैं। नैवेद्यम की परिकल्पना तिरुपति मंदिर के प्रसाद के आधार पर की गई थी।

3. 24 अप्रैल 2021 से एनजे रमण CJI के रूप में

- राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 24 अप्रैल से न्यायमूर्ति एन वी रमाना को भारत का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया।

ACHIEVERS IAS ACA

- वह 2001 में राज्य उच्च न्यायालय की खंडपीठ में बुलाए जाने से पहले आंध्र प्रदेश के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता थे। न्यायमूर्ति रमण शीर्ष अदालत में उनकी पदोन्नति से पहले दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे।
- बतौर सीजेआई, जस्टिस रमण का कार्यकाल 16 महीने का होता है।
- "संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत शक्तियों के प्रयोग में, राष्ट्रपति को श्री नियुक्त करने की कृपा है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश नथालपति वेंकट रमण 24 अप्रैल, 2021 से भारत के मुख्य न्यायाधीश होने के नाते, "कानून और न्याय अधिसूचना मंत्रालय ने कहा।
- इसके साथ, सुप्रीम कोर्ट और सरकार दोनों ने CJI की नियुक्ति में वरिष्ठता मानदंड का पालन किया है।
- राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में, न्यायमूर्ति रमण भारत की कानूनी सहायता कार्यक्रम को दुनिया में सबसे बड़ा बनाने के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें कानूनी श्रेणियों के आधार पर न केवल test साधन परीक्षण 'के आधार पर कानूनी सहायता प्रदान की जाती है।
- न्यायमूर्ति रमना ने कहा कि न्याय में आसानी से पहुंच प्रदान करने के अलावा, उनके एक प्राथमिक उद्देश्य के लिए एक विशेष उद्देश्य वाहन के माध्यम से न्यायिक अवसंरचना में सुधार करना होगा, जिसे 'राष्ट्रीय न्यायिक अवसंरचना निगम' कहा जाता है, जो एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है।

4. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

- रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस कानून पर हस्ताक्षर किए, जो उन्हें 2036 तक सत्ता में बनाए रखने में सक्षम हो सकता है, जब वह 83 साल के होंगे।
- पुतिन, एक पूर्व केजीबी अधिकारी, जो अब 68 वर्ष के हैं, अपने वर्तमान छह साल के कार्यकाल को पूरा करते हैं - राष्ट्रपति के रूप में उनका चौथा - 2024 में। वह पहले से ही राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री के रूप में देश को 20 से अधिक वर्षों तक चला चुके हैं (बॉक्स देखें)। यह सबसे लंबी अवधि है जब एक नेता जोसेफ स्टालिन के बाद से सत्ता में है, जो सोवियत संघ (1922-1953) के कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और 1941-1953 तक सोवियत संघ के प्रमुख थे।
- नए कानून पर हस्ताक्षर होने से पहले, एक राष्ट्रपति अधिकतम दो लगातार छह साल की सेवा दे सकता था। नए विधान में भी यह शब्द सीमा बनी हुई है। यह बदल गया है कि नया कानून लागू होने के बाद पुतिन की पिछली शर्तों को नहीं गिना जाएगा। ये "शून्य आउट" होंगे, जिससे उन्हें 2024 में मौजूदा एक के समाप्त होने के बाद लगातार दो बार सेवा देने का विकल्प मिलेगा।
- 2008 में राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले दो लगातार कार्यकाल के अंत में, पुतिन ने प्रधानमंत्री बनने के लिए कदम बढ़ाया, जबकि राष्ट्रपति की कुर्सी एक चुने हुए उत्तराधिकारी दिमित्री मेदवेदेव के पास चली गई।
- उस समय तक, रूसी राष्ट्रपति का कार्यकाल चार साल का था, और पुतिन ने 2000 से 2008 तक कुर्सी पर काम किया है। इसके अलावा 2008 में, राष्ट्रपति का कार्यकाल छह साल का हो गया, यही वजह है कि पुतिन के वर्तमान दो क्रमिक कार्यकाल 12 साल तक चले वर्ष, 2012 से 2024 तक।

इसे कैसे बदला गया

- पुतिन ने अब रूसी संविधान में औपचारिक बदलावों पर हस्ताक्षर किए हैं जो पिछले साल हुए जनमत संग्रह के माध्यम से लोगों द्वारा समर्थित थे। उनके द्वारा प्रस्तावित परिवर्तनों को 78% से अधिक वोट से अनुमोदित किया गया था।
- जनवरी 2020 में, उन्होंने संविधान में बदलाव करने का आह्वान किया, जिसमें शब्द सीमा को हटाना शामिल था। मार्च 2020 में स्टेट ड्यूमा (रूस का संसद का निचला सदन) के एक भाषण में, पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट का उदाहरण दिया, जिन्होंने चार शब्दों की सेवा दी - 1932, 1936, 1940 और 1944 से शुरू। रोवेवेल्ट की चार-अवधि के राष्ट्रपति पद के लिए प्रशस्त। अमेरिकी संविधान में 22 वें संशोधन के लिए, 1951 में पुष्टि की गई, जिसने राष्ट्रपति पद को दो चार साल के लिए सीमित कर दिया।

आलोचना

- कुछ आलोचकों ने पुतिन के कदम को सत्ता हड़पने के लिए कहा है जबकि अन्य लोगों ने उन्हें "संवैधानिक तख्तापलट" कहा है।
- गोलोस, एक रूसी संघ जो स्वतंत्र चुनाव टिप्पणियों का संचालन करता है, जुलाई को "पीआर अभियान" कहते हैं, "... जिसका उद्देश्य नागरिकों की स्वतंत्र इच्छा को प्रकट करना नहीं था, लेकिन अधिकारियों द्वारा इस इच्छा की आवश्यक धारणा का निर्माण करना।

5. भारत सुपरकंप्यूटिंग में एक लीडर बनकर उभरा!

ACHIEVERS IAS ACADEMY

- भारत राष्ट्रीय सुपर कम्प्यूटिंग मिशन (NSM) के साथ उच्च शक्ति कंप्यूटिंग में एक नेता के रूप में तेजी से उभर रहा है, यह शिक्षा, शोधकर्ताओं, MSMEs की बढ़ती कम्प्यूटेशनल मांगों को पूरा करने के लिए इसे बढ़ावा देता है, और तेल की खोज, बाढ़ की भविष्यवाणी और जीनोमिक्स और ड्रग जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप। खोज।
- कम्प्यूटिंग बुनियादी ढांचे को पहले से ही चार प्रमुख संस्थानों में स्थापित किया गया है और स्थापना कार्य 9 और तेजी से प्रगति पर है।
- सितंबर 2021 में NSM के दूसरे चरण का समापन देश की कंप्यूटिंग शक्ति को 16 पेटाफ्लॉप्स (PF) में ले जाएगा। भारत में विधानसभा और विनिर्माण के साथ सुपरकंप्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए भारत के कुल 14 प्रमुख संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इनमें IIT, NIT, नेशनल लैब्स और IISER शामिल हैं।
- NSM फेज । में इन्फ्रास्ट्रक्चर की योजना पहले ही स्थापित की जा चुकी है और जल्द ही इसका दूसरा चरण शुरू हो जाएगा। इस वर्ष शुरू किया गया चरण III, कंप्यूटिंग गति को लगभग 45 पेटाफ्लॉप तक ले जाएगा। इसमें राष्ट्रीय सुविधा के रूप में प्रत्येक 3 पीएफ की तीन प्रणालियां और 20PF की एक प्रणाली शामिल होगी।
- राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन को देश में अनुसंधान क्षमताओं और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था ताकि उन्हें सुपरकंप्यूटिंग ग्रिड बनाने के लिए राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के साथ रीढ़ की हड्डी के रूप में जोड़ा जा सके। एनएसएम पूरे देश में शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में सुपरकंप्यूटिंग सुविधाओं का एक ग्रिड स्थापित कर रहा है। इसका कुछ हिस्सा विदेशों से आयात किया जा रहा है और इसका कुछ हिस्सा स्वदेश में बनाया जा रहा है। मिशन को संयुक्त रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा संचालित किया जा रहा है और पुणे के उन्नत कम्प्यूटिंग के विकास केंद्र (C-DAC), और भारतीय संस्थान द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है विज्ञान (IISc), बेंगलुरु।
- PARAM शिवाय, जो पहले सुपरकंप्यूटर स्वदेशी रूप से इकट्ठा किया गया था, IIT (BHU) में स्थापित किया गया था, इसके बाद PARAM शक्ति, PARAM ब्रह्मा, PARAM युक्ती, PARAM सांगानेक IIT-खड़गपुर IISER, पुणे, JNCASR, बेंगलुरु और IIT कानपुर में क्रमशः स्थापित किया गया था।
- मिशन ने अगली पीढ़ी के 4500 से अधिक एचपीसी जागरूक श्रमशक्ति और संकायों को प्रशिक्षित करके सुपर कंप्यूटर विशेषज्ञों की अगली पीढ़ी भी बनाई है। एचपीसी प्रशिक्षण की गतिविधियों का विस्तार करने के लिए, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी मद्रास, आईआईटी गोवा और आईआईटी पलक्कड़ में एचपीसी और एआई में प्रशिक्षण के लिए चार एनएसएम नोडल केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों ने एचपीसी और एआई में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।
- NSM द्वारा संचालित, भारत के अनुसंधान संस्थानों का नेटवर्क, उद्योग के सहयोग से, भारत में अधिक से अधिक भाग बनाने के लिए प्रौद्योगिकी और विनिर्माण क्षमता को बढ़ा रहा है। जबकि प्रथम चरण में, भारत में 30 प्रतिशत मूल्यवर्धन किया गया है जिसे द्वितीय चरण में 40 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। भारत ने एक स्वदेशी सर्वर (रुद्र) विकसित किया है, जो सभी सरकारों और सार्वजनिक उपक्रमों की एचपीसी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।
- तीन चरणों में लगभग 75 संस्थानों और हजारों से अधिक सक्रिय शोधकर्ताओं, राष्ट्र ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के माध्यम से काम करने वाले शिक्षाविदों को उच्च-प्रदर्शन कम्प्यूटिंग (एचपीसी) की सुविधा प्रदान की जाएगी - जो सुपरकंप्यूटिंग सिस्टम की रीढ़ हैं।

6. क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग स्कीम (CITS)

- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) के तत्वावधान में प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT) ने आज CITS शैक्षणिक सत्र 2019-2020 के लिए ऑल इंडिया ट्रेड टेस्ट (AITT) के परिणाम घोषित किए। सत्र 2019-20 के लिए, 34 ट्रेडों में कुल 7,535 प्रशिक्षु और 45 संस्थान परीक्षा में उपस्थित हुए, जो देश भर के 79 परीक्षा केंद्रों में आयोजित किया गया था।
- DGT शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (CITS) के तहत शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम ITI प्रशिक्षुओं को प्रदान करता है जो कौशल प्रशिक्षण में अपना कैरियर बनाने की इच्छा रखते हैं। कौशल और प्रशिक्षण पद्धति दोनों में व्यापक प्रशिक्षण प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं को हैंड्स-ऑन कौशल को हस्तांतरित करने, कुशल मानव शक्ति को प्रशिक्षित करने की तकनीकों के साथ बातचीत करने के लिए प्रदान किया जाता है। साल भर के CITS प्रशिक्षण के अंत में, एक अखिल भारतीय टेस्ट (AITT) 34 ट्रेडों में से प्रत्येक के लिए DGT द्वारा ऑनलाइन आयोजित किया जाता है
- भारत को दुनिया की कौशल राजधानी बनाने के पीएम के दृष्टिकोण के मद्देनजर, CITS विशेषज्ञ कौशल प्रशिक्षकों को उत्पन्न करने के माध्यम से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो हाथों के कौशल और शिक्षाशास्त्र के ज्ञान के साथ सशक्त, बदले में जमीनी स्तर पर कौशल प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसके अलावा, यह देखना उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा में महिलाओं ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है, जो आगे महिला सशक्तीकरण पर हमारा ध्यान केंद्रित करता है। ”

ACHIEVERS IAS ACADEMY

7. सेंट्रल वेयरहाउस कॉर्पोरेशन

केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री, रेलवे और वाणिज्य और उद्योग श्री पीयूष गोयल ने केंद्रीय वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के आधुनिकीकरण योजना की समीक्षा की।

समीक्षा करते हुए, मंत्री श्री गोयल ने कहा कि सीडब्ल्यूसी को वर्ष 2023 के अंत तक अपनी गोदाम भंडारण क्षमता को दोगुना करना चाहिए और वित्तीय वर्ष 2024-25 तक 10000 करोड़ रुपये का कारोबार करना चाहिए। वर्तमान में, CWC गोदाम भंडारण क्षमता 125 LMT है।

सीडब्ल्यूसी को पूरे देश में गेहूं और चावल के भंडारण के लिए आधुनिक साइलो का निर्माण करना चाहिए, ताकि देश में अधिक से अधिक अनाज लंबे समय तक संग्रहीत किया जा सके।

सीडब्ल्यूसी को नैफेड के साथ समन्वय में भंडारण प्याज, आलू और टमाटर के लिए अधिक कोल्ड चेन सुविधाओं का निर्माण करना चाहिए।

मंत्री ने सुझाव दिया कि सीडब्ल्यूसी को अपने सभी 423 गोदामों के उन्नयन के लिए एक मास्टरप्लान तैयार करना चाहिए। सीडब्ल्यूसी को कृषि उपज के लिए गोदाम / भंडारण अंतर विश्लेषण करना चाहिए और तदनुसार आर्किटेक्ट और विशेषज्ञों की मदद से योजना तैयार करनी चाहिए।

सीडब्ल्यूसी को सभी हितधारकों यानी कर्मचारियों, ग्राहकों, श्रमिकों, ट्रक चालकों की देखभाल के लिए मिशन मोड में काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी सीडब्ल्यूसी गोदामों में माले, महिला श्रमिकों, ग्राहकों, ड्राइवरों और दिव्यांगों के लिए शौचालय, उचित प्रतीक्षालय / टॉयलेट, वर्कर-शेड, पीने के पानी की सुविधा और अन्य बुनियादी सुविधाएं स्वच्छ और साफ वातावरण के साथ होनी चाहिए।

8. अटल इनोवेशन मिशन

- अटल इनोवेशन मिशन (AIM), NITI Aayog, और CentreforInnovationsinPublicSystems (CIPS) ने आज भारत में नवाचार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए सहयोग की घोषणा की, जो सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए सार्वजनिक प्रणालियों में नवाचारों के एक डेटाबेस को अवगत कराते हुए, अन्य चीजों के साथ।
- AIM और CIPS के बीच एक स्टेटमेंट ऑफ़ इंटेंट (SoI) पर हस्ताक्षर किए गए थे। सोइज का उद्देश्य संयुक्त रूप से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए है, विशेष रूप से सार्वजनिक प्रणालियों के क्षेत्र में एआईएम के ज्ञान और अनुभव के साथ-साथ सीआईपीएस की पहुंच का लाभ उठाकर।
- AIM और CIPS के बीच सहयोग स्टार्टअप को स्थानीय प्रशासन के साथ तालमेल करके जमीनी स्तर तक अपने नवाचारों का उपयोग करने और बढ़ावा देने में मदद करेगा। नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने में स्थानीय प्रशासन द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को एक योजना बनाकर स्टार्ट-अप के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है।सीआईपीएस आकाओं के समर्थन के साथ कार्रवाई की।
- एसओआई के अनुसार, एआईएम और सीआईपीएस संयुक्त रूप से जिला और स्थानीय स्तर के प्रशासन के अधिकारियों को शामिल करेंगे, जो नवीन उत्पादों और समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करेंगे और खरीद के आसपास मानक प्रक्रियाओं और नीतियों को समझने में मदद करेंगे ताकि प्रासंगिक नवीन समाधानों की खरीद और कार्यान्वयन को तेज किया जा सके। ।
- एआईएम की ई-प्रदर्शनियों की श्रृंखला के आयोजन और मेजबानी ने अपने नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए अभिनव और प्रासंगिक स्टार्ट-अप का समर्थन किया, जो सार्वजनिक प्रशासन और सेवा वितरण तंत्र को बदलने की दिशा में अगला कदम होगा।
- समय की जरूरत है कि छात्रों के बीच नवीन शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए जमीनी स्तर पर शिक्षकों / आकाओं की क्षमता निर्माण सुनिश्चित किया जाए। यह संयुक्त रूप से एक इनोवेशन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (iLMS) बनाकर प्राप्त किया जा सकता है।
- साझेदारी राज्य और जिला स्तर पर एआईएम द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रमों और राज्यों के साथ संपर्क को बढ़ावा देने में भी मदद करेगी। यह जिला स्तर पर सरकारी अधिकारियों की बड़ी भागीदारी के माध्यम से परिवर्तन कार्यक्रम के एआईएम मेंटर को मजबूत करेगा।

ACHIEVERS IAS ACADEMY

- लाभार्थी AIM पहल के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए CIPS की सुविधाओं का लाभ उठाने और ग्रामीण नवाचार पर श्वेत पत्र के लिए CIPS की अनुसंधान क्षमता का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- निदेशक, CIPS C.Achalender Reddy ने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि AIM NITI Aayog और CIPS-ASCI सहयोग का उद्देश्य एक अभिनव पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करके सार्वजनिक नवाचार को बढ़ाना है, जैसे AIM कार्यक्रमों और AIM लाभार्थियों की विभिन्न पहलों का समर्थन करना।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली में इसका अवशोषण और कार्यान्वयन। सीआईपीएस के साथ इस तरह की पहल और साझेदारी की बहुत जरूरत है, और यह सरकार और समाज के लिए बड़े स्तर पर और गांव के स्तरों पर फायदेमंद होगा।

9. ओडिशा इतिहास का हिंदी संस्करण

- प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी 20 उत्कल केशरी 'डॉ। हरेकृष्णा महताब द्वारा लिखित पुस्तक no ओडिशा इतिहस' का हिंदी अनुवाद 9 अप्रैल 2021 को अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ, नई दिल्ली से जारी करेंगे।
- अब तक ओडिया और अंग्रेजी में उपलब्ध पुस्तक का हिंदी में अनुवाद श्री द्वारा किया गया है। शंकरलाल पुरोहित। केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और श्री भर्तृहरि महताब सांसद (एलएस), कटक भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। हिंदी संस्करण के विमोचन का आयोजन हरेकृष्णा महताब फाउंडेशन द्वारा किया गया है।
- लेखक के बारे में
- डॉ। हरेकृष्ण महताब भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक उल्लेखनीय व्यक्ति थे। उन्होंने 1946 से 1950 तक और 1956 से 1961 तक ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने अहमदनगर किले जेल में 'ओडिशा इतिहस' पुस्तक लिखी, जहाँ उन्हें 1946-1945 के दौरान दो साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया।

10. सानिया मिर्जा ने 56 वें मिशन ओलंपिक सेल की बैठक में TOPS के लिए चयन किया

- भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा को बुधवार को 56 वें मिशन ओलंपिक सेल (MOC) की बैठक के दौरान लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (TOPS) के लिए चुना गया।
- सानिया TOPS में अपनी वापसी कर रही है क्योंकि उसे TOPS एलीट एथलीट्स आइडेंटिफिकेशन कमेटी की चौथी बैठक के दौरान 2017 में भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) मुख्यालय में आयोजित की गई थी। लेकिन चयन के तुरंत बाद, वह TOPS से वापस आ गई थी।
- वह वर्तमान में दुनिया में 157 वें स्थान पर है, लेकिन उसके पास नौ (युगल रैंकिंग) की संरक्षित रैंकिंग है, जिसके आधार पर वह टोक्यो ओलंपिक में जाने की संभावना है, जो इस साल जुलाई में शुरू होगा।
- डब्ल्यूटीए के अनुसार, विशेष रैंकिंग एक खिलाड़ी को सौंपी गई रैंकिंग फ्रीज है, जो चिकित्सीय स्थिति के कारण छह महीने की न्यूनतम अवधि के लिए प्रतियोगिता से बाहर हो जाती है। जब कोई खिलाड़ी 52 सप्ताह से अधिक समय तक प्रतियोगिता से बाहर रहता है, तो उसे खेले जाने वाले अंतिम टूर्नामेंट के आधार पर 3 साल के लिए रैंकिंग फ्रीज मिल जाती है। इस 3-वर्ष की अवधि के भीतर, खिलाड़ी अपनी संरक्षित रैंकिंग (1 ग्रैंड स्लैम / ओलंपिक और 1 डब्ल्यूटीए 1000 अनिवार्य घटना) का उपयोग करके 12 टूर्नामेंट में प्रवेश कर सकता है।
- सानिया 52 हफ्तों से अधिक समय तक प्रतियोगिता से बाहर रही, जो अक्टूबर 2017 से है और पिछले साल जनवरी 2020 में प्रतियोगिता में लौटी जब उसने लगभग 2 वर्षों में अपना पहला युगल टूर्नामेंट जीतकर वापसी की।
- वर्ल्ड नंबर 9 की संरक्षित रैंकिंग में प्रवेश करने के लिए उसके पास 12 में से टोक्यो ओलंपिक सहित नौ टूर्नामेंट शेष हैं। इसलिए, वह 32 के डबल्स ड्रा में सीधे स्वीकृति प्राप्त करेगी और किसी को भी एक भागीदार के रूप में चुन सकती है जिसे शीर्ष स्थान के अंदर स्थान दिया गया है। 7 जून तक भारत से 300।

ACHIEVERS IAS AC